पत्र सूचना शाखा
(मुख्यमंत्री सूचना परिसर)
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

मुख्यमंत्री ने गोरखपुर में संयुक्त मण्डलीय खरीफ उत्पादकता गोष्ठी–2026 का शुभारम्भ किया

विगत 12 वर्षों में प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में खेती और किसानी के क्षेत्र में हुए अभूतपूर्व सुधारों से अन्नदाता किसानों के जीवन में व्यापक बदलाव आया : मुख्यमंत्री

अन्नदाता किसान समाज व राष्ट्र की मुख्य धारा से जुड़कर आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को प्राप्त कर रहे

स्वतंत्र भारत में पहली बार वर्ष 2014 में धरती माता के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए अन्नदाता किसानों को स्वॉयल हेल्थ कार्ड उपलब्ध कराये गये

अन्नदाता किसानों को अच्छे बीज उपलब्ध कराकर दलहन व तिलहन के उत्पादन में वृद्धि के लिये अभियान चलाया गया

प्रदेश में डबल इंजन सरकार ने कृषि सुधार के कदमों को मजबूती के साथ आगे बढ़ाया, अन्नदाता किसानों के लिये उठाये गये कदम अभूतपूर्व

प्रदेश के इतिहास में पहली बार अन्नदाता किसान को लागत का डेढ़ गुना दाम उपलब्ध, जगह–जगह सरकारी क्रय केन्द्र स्थापित कर किसानों की उपज खरीदने की कारवाई

दशकों से लम्बित बाण सागर, सरयू नहर तथा बुन्देलखण्ड से जुड़ी सिंचाई परियोजनाओं को पूर्ण किया गया, प्रदेश में 24 लाख हेक्टेयर अतिरिक्त भूमि को सिंचाई की सुविधा उपलब्ध करायी गई

प्रदेश की कृषि विकास दर 08 प्रतिशत से बढ़कर लगभग 18 प्रतिशत हुई

किसानों को अच्छे बीज उपलब्ध कराने के लिये पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह जी के नाम पर लखनऊ में सीड पार्क का निर्माण किया जा रहा

न्यूनतम केमिकल, फर्टिलाइजर तथा पेस्टीसाइड का उपयोग करते हुये फसलों का उत्पादन करें, ताकि उत्पाद निर्यात मानकों पर खरा उतर सके, प्राकृतिक खेती इसके लिये एक बेहतरीन विकल्प

प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व व मुख्यमंत्री जी के सतत प्रयासों से प्रदेश के कृषि क्षेत्र में अभूतपूर्व सुधार हुआ : कृषि मंत्री

लखनऊ : 03 जून, 2026

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि विगत 12 वर्षों में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में खेती और किसानी के क्षेत्र में हुए अभूतपूर्व सुधारों से अन्नदाता किसानों के जीवन में व्यापक बदलाव आया है। अन्नदाता किसान समाज व राष्ट्र की मुख्य धारा से जुड़कर आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को प्राप्त कर रहे हैं। यह गोष्ठी खरीफ फसल की दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण है। इस गोष्ठी के माध्यम से किसान तकनीक तथा फसल चक्र आदि के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। इस बार मानसून

औसत से कम बताया जा रहा है। यह गोष्ठी किसानों को मौसम तथा अन्य चुनौतियों से जूझने के लिये मार्गदर्शन का कार्य कर सकती है।

मुख्यमंत्री जी आज जनपद गोरखपुर में खरीफ अभियान 2026 के अन्तर्गत अधिक फसलोत्पादन हेतु गोरखपुर, बस्ती तथा आजमगढ़ मण्डलों की संयुक्त मण्डलीय खरीफ उत्पादकता गोष्ठी–2026 का शुभारम्भ करने के पश्चात अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। इसके पूर्व, मुख्यमंत्री जी ने कृषि से सम्बन्धित प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि स्वतंत्र भारत में पहली बार वर्ष 2014 में धरती माता के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए अन्नदाता किसानों को स्वॉयल हेल्थ कार्ड उपलब्ध कराये गये। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना तथा प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना जैसी अनेक योजनाएं लागू की गईं। पहले देश के लाखों करोड़ रुपये दलहन व तिलहन के आयात में खर्च होते थे। अन्नदाता किसानों को अच्छे बीज उपलब्ध कराकर दलहन व तिलहन के उत्पादन में वृद्धि के लिये अभियान चलाया गया। किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का लाभ उपलब्ध कराया गया, ताकि उन्हें साहूकारों के सामने हाथ न फैलाना पड़े। मण्डियों का व्यापक सुधार किया गया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश में डबल इंजन सरकार ने कृषि सुधार के कदमों को मजबूती के साथ आगे बढ़ाया। अन्नदाता किसानों के लिये उठाये गये कदम अभूतपूर्व हैं। आज से 12 वर्ष पूर्व देश के किसान आत्महत्या करने को मजबूर थे। आत्महत्या की त्रासदी के लिये उत्तरदायी कारणों में किसानों को अच्छे क्वालिटी के बीज न मिलना, लागत का अधिक होना, उत्पादन कम होना, सही एम0एस0पी0 न मिलना, आपदा से बचाव के लिए उपयुक्त प्रबन्धन तथा राहत उपलब्ध न होना आदि सम्मिलित थे।

वर्ष 2017 में राज्य सरकार ने अपनी पहली कैबिनेट में ऋण ग्रस्त किसानों को ऋण मुक्त कराने के लिए फसल ऋण मोचन की विशेष योजना प्रारम्भ की थी। प्रदेश के इतिहास में पहली बार अन्नदाता किसान को लागत का डेढ़ गुना दाम उपलब्ध हुआ। जगह–जगह सरकारी क्रय केन्द्र स्थापित कर किसानों की उपज खरीदने की कारवाई प्रारम्भ हुई। प्रदेश में दशकों से लम्बित बाण सागर, सरयू नहर तथा बुन्देलखण्ड से जुड़ी सिंचाई परियोजनाओं को पूर्ण किया गया। प्रदेश में 24 लाख हेक्टेयर अतिरिक्त भूमि को सिंचाई की सुविधा उपलब्ध करायी गई है। सरकारी नलकूपों को निःशुल्क बिजली प्रदान करने की व्यवस्था पहले से मौजूद है। इसके साथ ही, किसानों को निजी नलकूपों के लिये निःशुल्क बिजली देने की व्यवस्था की गई है। इस कार्य में खर्च होने वाला लगभग 3,000 करोड़ रुपये प्रदेश सरकार वहन करती है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में देश की सबसे अच्छी उर्वरा भूमि है। प्रदेश की लगभग 86 प्रतिशत कृषि भूमि सिंचित है, जो दुनिया में सर्वाधिक है। वर्तमान में प्रदेश में रबी, खरीफ तथा जायद तीनों प्रकार की फसलें उत्पादित की जा रही हैं। किसानों को उनके परिश्रम का अच्छा दाम मिल रहा है। अन्नदाता किसानों की मेहनत के परिणामस्वरूप उत्तर प्रदेश समृद्ध राज्यों की श्रेणी में आ चुका है। हमने प्रदेश की कृषि विकास दर 08 प्रतिशत से बढ़ाकर लगभग 18 प्रतिशत तक पहुंचाने में सफलता प्राप्त की है।

प्रदेश में देश की लगभग 11 प्रतिशत कृषि योग्य भूमि है, जिसमें देश का 21 प्रतिशत खाद्यान्न उत्पादित हो रहा है। हमारे अन्नदाता किसानों ने खाद्यान्न में आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को प्राप्त किया है। आज उत्तर प्रदेश देश में सर्वाधिक खाद्यान्न उत्पादन करने वाला राज्य है। जबकि क्षेत्रफल में प्रदेश देश में चौथे स्थान पर आता है। प्रदेश में सर्वाधिक चीनी मिलों का संचालन हो रहा है। यहां सबसे ज्यादा चीनी तथा इथेनॉल का उत्पादन हो रहा है। उत्तर प्रदेश सर्वाधिक आलू, सब्जी तथा दुग्ध उत्पादन करने वाला राज्य है। यह सभी कार्य सरकार के साथ–साथ अन्नदाता किसानों की मेहनत से सम्भव हो पाये।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश सरकार अलग–अलग फसलों के समय गोष्ठी इसलिए करती है, ताकि हम अन्नदाता किसानों को बीज की गुणवत्ता, तकनीक, शासन की योजनाओं आदि से अवगत करा सकें तथा सरकार द्वारा भविष्य में उठाये जाने वाले कदमों के विषय में उनके सुझाव प्राप्त कर सकें। अन्नदाता किसानों के माध्यम से हम आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को प्राप्त करने में सफल हो सकते हैं। प्रदेश सरकार किसानों के समक्ष आने वाली बाधाओं को समाप्त करते हुये, उन्हें समस्त सुविधाओं से सम्पन्न करने का काम कर रही है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि देश में बहुत कम ऐसे राज्य होंगे जहां किसानों के साथ–साथ सह किसानों, बंटाईदारों और उनके परिवार के सदस्यों को किसी आपदा या हादसे का शिकार होने पर 'मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना' से कवर करने का काम किया गया है। इस कार्य में प्रदेश सरकार प्रत्येक वर्ष लगभग 1,000 करोड़ रुपये खर्च करती है। यदि कोई किसान अतिवृष्टि, अनावृष्टि, लू, आकाशीय बिजली अथवा वन्य–जीव संघर्ष से ग्रसित होता है, तो उसके परिवार को 24 घंटे के अन्दर 05 लाख रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध करायी जाती है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि राज्य में किसानों को लागत का डेढ़ गुना दाम उपलब्ध कराया जा रहा है। किसानों को अच्छे बीज उपलब्ध कराने के लिये पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह जी के नाम पर लखनऊ में सीड पार्क का निर्माण किया जा रहा है। कुशीनगर में कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय बन रहा है। कृषि विज्ञान केन्द्र किसानों को उत्तम तकनीक और बीज की क्वालिटी की जानकारी उपलब्ध कराने के माध्यम बने हैं। अभी बहुत कुछ किए जाने की आवश्यकता है। हमने अभी तक जितना कृषि उत्पादन बढ़ाया है, इससे लगभग तीन गुना अधिक वृद्धि करने की आवश्यकता है। इस कार्य के लिये हमें बीज की क्वालिटी, उन्नत तकनीक, समय पर कृषि और फसल चक्र को अपनाना पड़ेगा। इनमें सबसे महत्वपूर्ण सही बीज प्राप्त होना है। उत्पादन का पहला कार्य यहीं से प्रारम्भ होता है। हमें अपने उत्पाद की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए निरन्तर प्रयास करना होगा।

औद्यानिक फसलों में आम इसी समय तैयार होता है। जुलाई में आम एक्सपोर्ट किया जा सकता है। आम की क्वॉलिटी पहले दिन से तय करनी पड़ेगी। जिस आम का दाम यहां 40–50 रुपये प्रति किलो प्राप्त होगा, वही आम यदि यूरोप, अमेरिका तथा अन्य देशों में जायेगा, तो आपको प्रति किलो 800 से 1,000 रुपये प्राप्त होंगे। कारगो की लागत मुश्किल से 150 से 200 रुपये तक पड़ेगी। तब भी आपको प्रतिकलो 600 से 800 रुपये का लाभ प्राप्त होगा। उत्पाद की गुणवत्ता बनाये रखने हेतु किसानों को तकनीक की जानकारी उपलब्ध कराने के लिए प्रदेश सरकार ने कुछ केन्द्र विकसित किए हैं। कारगो सेन्टर भी विकसित किए गये हैं। इस दिशा में लगातार कार्य चल रहा है। किसान न्यूनतम केमिकल, फर्टिलाइजर

तथा पेस्टीसाइड का उपयोग करते हुये फसलों का उत्पादन करें, ताकि आपका उत्पाद निर्यात मानकों पर खरा उतर सके। प्राकृतिक खेती इसके लिये एक बेहतरीन विकल्प है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्राकृतिक खेती गौ आधारित खेती है। यह गौ माता के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने का माध्यम भी है। प्राकृतिक खेती केमिकल, फर्टिलाइजर और पेस्टीसाइड से आपकी खेती का बचाव करेगी। साथ ही, यह आपकी कृषि लागत कम करने का माध्यम भी बनेगी। हमारा किसान व्यावहारिक जगत में स्वयं में एक वैज्ञानिक है। उसे पता है कि कब फसल बोनी है तथा कृषि में कब क्या करना है। किसानों को अतिवृष्टि व अनावृष्टि से बचाने के लिए मौसम विभाग द्वारा समय–समय पर जारी किए जाने वाले बुलेटिन से अवगत कराते हुये उसके अनुरूप फसल चक्र तैयार करना होगा। इन सभी कार्यों से किसान की आमदनी बढ़ेगी। किसानों को फसल विविधीकरण की तरफ ध्यान देते हुए सह–फसली कृषि पर भी ध्यान देना होगा। प्रदेश में किसानों ने इन सभी तकनीकों को अपनाने में कोई कोताही नहीं बरती है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उन्हें गत वर्ष मध्य उत्तर प्रदेश में कई जनपदों के भ्रमण का अवसर प्राप्त हुआ। वहां अन्नदाता किसान जैसे ही गेहूं की फसल काटते हैं, तत्काल मक्का की खेती प्रारम्भ कर देते हैं। इससे किसानों को प्रति एकड़ 01 लाख रुपये की बचत हो रही है। प्रदेश में पहले सिंचाई की सुविधा, सुरक्षा व्यवस्था तथा क्रय केन्द्र आदि नहीं थे। किसान वर्ष में मुश्किल से एक या दो फसल बोता था। अच्छे बीजों का अभाव था। आज वही किसान अपने खेत में तीन–तीन फसल बोकर अच्छा मुनाफा कमा रहे हैं। हम लोगों ने बिना कोई टैक्स बढ़ाए प्रदेश में किसानों को अच्छा एम0एस0पी0 उपलब्ध कराना प्रारम्भ किया है। वर्ष 2016–17 में गन्ने का मूल्य 300 रुपये प्रति क्विंटल था। आज हम किसानों गन्ने का मूल्य 400 रुपये प्रति क्विंटल उपलब्ध करा रहे हैं। यह चीजें दिखाती है कि सरकार लगातार किसानों के उत्थान की दिशा में कार्य कर रही है।

कृषि मंत्री श्री सूर्य प्रताप शाही ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये कहा कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व व मुख्यमंत्री जी के सतत प्रयासों से प्रदेश के कृषि क्षेत्र में अभूतपूर्व सुधार हुआ है। राज्य की कृषि विकास दर लगभग 18 प्रतिशत हो चुकी है। हमारे खाद्यान्न उत्पादन में लगभग 28 प्रतिशत तथा तिलहन उत्पादन में 40 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। विगत वर्षों में मुख्यमंत्री जी ने प्रदेश में निःशुल्क तिलहन मिनी किट योजना बहुत बड़े पैमाने पर प्रारम्भ की है। जिससे तिलहन उत्पादन 12.5 लाख मीट्रिक टन से बढ़कर साढ़े 36 लाख मीट्रिक टन पहुंच चुका है। दलहन का उत्पादन 24 लाख मीट्रिक टन से बढ़कर 33 लाख मीट्रिक टन पहुंचा है।

इस अवसर पर सांसद श्री रवि किशन शुक्ल, विधान परिषद सदस्य डॉ0 धर्मेन्द्र सिंह, महापौर डॉ0 मंगलेश श्रीवास्तव, उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष श्रीमती चारु चौधरी, कृषि उत्पादन आयुक्त श्री दीपक कुमार सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

————————

PN-CM-Kharif Utpadakta Goshthi Gorakhpur Visit-03 June, 2026